

Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 11 जनवरी, 2024

बोतल बंद पानी में नैनोप्लास्टिक संदूषण

संयुक्त राज्य अमेरिका के नवीनतम अध्ययन द्वारा **बोतलबंद पानी** के बारे में एक चर्चित जनक वास्तविकता का पता चला है, जिसमें **संभावित स्वास्थ्य संबंधी जोखिमों** को रेखांकित करने वाले सैकड़ों हज़ारों **नैनोप्लास्टिक कणों (nanoplastic particles)** की उपस्थिति को उजागर किया गया है।

- एक लीटर बोतलबंद पानी में **110,000 से 370,000 नैनोप्लास्टिक कण** होते हैं। इनमें से लगभग **90% कण नैनो आकार के हैं, जो मानव स्वास्थ्य के लिये अधिक खतरा उत्पन्न करते हैं।**
- नैनोप्लास्टिक्स **माइक्रोप्लास्टिक्स** से भी छोटे होते हैं, जिनका आकार 1 माइक्रोमीटर से भी कम होता है।
 - माइक्रोप्लास्टिक्स (5 मिलीमीटर और 1 माइक्रोमीटर के बीच) के विपरीत, नैनोप्लास्टिक्स हृदय और मस्तिष्क तक पहुँचने से पहले आँतों तथा फेफड़ों से **सीधे रक्तप्रवाह में जा सकता है।**
- अध्ययन में पाया गया कि बोतलबंद पानी में सामान्य **प्लास्टिक** जैसे पॉलियामाइड, पॉलीप्रोपाइलीन, पॉलीइथाइलीन, पॉलीविनाइल क्लोराइड, पॉलीइथाइलीन टैरेफ्थेलेट (PET) बोतलबंद पानी से माइक्रो-नैनो प्लास्टिक के संपर्क में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।
 - **डिस्पोज़ेबल पेय की बोतलों में उपयोग** किया जाने वाला PET गर्मी के संपर्क में आने या नचोड़ने पर पानी में घुल सकता है।

और पढ़ें: [जटरांतर माइक्रोबायोमस पर माइक्रोप्लास्टिक्स का प्रभाव](#)

उच्च न्यायालय की मंजूरी: यक्षगान मेला पूरी रात हेतु फरि से शुरू

एक सदी से भी अधिक पुराना **यक्षगान मेला**, कर्नाटक उच्च न्यायालय द्वारा **ध्वनिप्रदूषण (वनियमन और नर्णितरण) नियम, 2000** के पालन के अधीन अनुमति दी जाने के बाद, **दक्षिण कन्नड में कतील दुर्गापरमेश्वरी प्रसादति यक्षगान मंडली** 14 जनवरी, 2024 से पूरी रात का शो फरि से शुरू हो जाएगा।

- यक्षगान **कर्नाटक का एक अनोखा नृत्य-नाट्य प्रदर्शन** है। इसमें परंपरागत रूप से पुरुषों को सभी भूमिकाएँ निभाते हुए दिखाया गया है। **लेकनि, महिलाएँ अब इन मंडलियों का हिस्सा हैं।**
- मुख्य तत्वों में **रामायण या महाभारत** जैसे हद्वि महाकाव्यों की प्रासंगिक कहानियाँ शामिल हैं।
 - **चंदे, हारमोनियम, मैडल, ताल और बाँसुरी** जैसे संगीत वाद्ययंत्र इन प्रदर्शनों के साथ होते हैं।
- **सालगिराम मेला, धर्मस्थल मेला और मंदारथी मेला** जैसे विभिन्न प्रसिद्ध मंडल पूरे वर्ष यक्षगान का प्रदर्शन करते हैं।



नलिंबति राज्यसभा सांसदों से जवाब मांगेगी वशिषाधकार समति

[राज्यसभा](#) की [वशिषाधकार समति](#) ने हाल ही में समाप्त हुए संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान वशिषाधकार हनन के आरोप में नलिंबति 11 सदस्यों से प्रतिक्रिया/जवाब मांगने का नरिणय लिया ।

- राज्यसभा में वशिषाधकार के प्रश्नों से नपिटने की प्रक्रिया राज्यों की परषिद में प्रक्रिया और कार्य संचालन नयिमों के नयिम187 से 203 में नरिधारति की गई है ।
 - वशिषाधकार का प्रश्न सभापति की सहमतिप्राप्त करने के बाद ही सदन में उठाया जा सकता है ।
- संसद और उसकी समतियों के साथ-साथ उनके सदस्यों के पास कुशल कामकाज के लयि आवश्यक अधकार, वशिषाधकार एवं प्रतिक्रियाएँ हैं । हालाँकि ये अधकार संसदीय कामकाज के लयि आवश्यक कार्यों तक ही सीमति हैं और सदस्यों को सामान्य सामाजकि दायतियों से मुक्त नहीं करते हैं ।
- वशिषाधकार समति एक [स्थायी समति](#) है । यह [सदन और उसके सदस्यों के वशिषाधकारों](#) के उल्लंघन के मामलों की जाँच और उचति कार्रवाई की अनुशंसा करती है ।
 - लोकसभा समति में 15 सदस्य होते हैं, जबकि राज्यसभा समति में 10 सदस्य होते हैं ।

और पढ़ें: [वशिषाधकार प्रस्ताव](#)

वशि्व हदि दविस

प्रतिवर्ष 10 जनवरी को मनाया जाने वाला [वशि्व हदि दविस](#), हदि बोलने वालों के वशिाल योगदान और भाषा के वैश्वकि महत्त्व का सम्मान करता है ।

- हदि भाषा [संयुक्त राषट्र महासभा](#) में पहली बार साल 1949 में बोली गई थी । [वशि्व हदि दविस का उद्घाटन 2006 में प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सहि के नेतृत्व में हुआ था । तभी से 10 जनवरी को वशि्व हदि दविस के रूप में मनाया जाने लगा ।](#)
- भारतीय संवधिान के [अनुच्छेद 343](#) के अनुसार, [देवनागरी लिपि में लिखी गई हदि संघ की आधिकारकि भाषा है ।](#)
 - अंगरेज़ी के साथ-साथ हदि भी भारत की आधिकारकि भाषा है ।
 - [भारतीय संवधिान की अनुसूची 8](#) में हदि सहति 22 आधिकारकि भाषाएँ हैं ।
- [हदि इंडो-यूरोपीय भाषा समूह की इंडो-आर्यन शाखा से संबंधति है ।](#)
- वर्ष 2018 में मॉरीशस के पोर्ट लुइस में वशि्व हदि सचवालय (World Hindi Secretariat) भवन का उद्घाटन कयिा गया ।
- वर्ष 1949 में भारत की संवधिान सभा द्वारा आधिकारकि भाषा के रूप में हदि को अपनाए जाने वाले दनि को चहिनति करने के लयि भारत में हर साल 14 सतिंबर को [राषट्रीय हदि दविस](#) मनाया जाता है ।
- मंदारनि और अंगरेज़ी के बाद यह देखा गया है कि हदि दुनयिा में तीसरी सबसे अधकि बोली जाने वाली भाषा है ।

और पढ़ें: [वशि्व हदि दविस](#)